Title: Regarding receiving banned drugs by the sportsmen of India.

श्री कीर्ति झा आज़ाद (दरभंगा) : उपाध्यक्ष महोद्य, आपके माध्यम से मैं सदन का ध्यान खेल, खिलाड़ियों, खेल संघ और खेल मंत्रालय की ओर दिलाना चाहता हूँ। आपके माध्यम से एक महत्वपूर्ण मामला मैं सदन में उठा रहा हूँ।...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing will go on record.

(Interruptions) *

MR. DEPUTY-SPEAKER: I told you that. It cannot go on record. It is referred to the JPC. The UTI matter is referred to the JPC.

श्री कीर्ति झा आज़ाद : यह मामला खेल मंत्रालय से संबंधित है। अभी लगभग एक साल नहीं हुआ है कि मैच फिक्सिंग प्रकरण से हम बाहर गए हैं लेकिन प्रतिबंधित दवाओं के सेवन को लेकर पिछले एक महीने से अनेक विवाद खड़े हो चुके हं। अभी कल हमने टेलिविज़न में देखा और आज अखबारों में भी आया है जहां पर 12 ऐसे वेट लिफ्टर्स जो ट्रेनिंग कर रहे थे, वे पटियाला कैम्प छोड़कर भाग गए क्योंकि वहां पर डोप टैस्टिंग होनी थी। इससे एक दिन पहले कुंजू रानी जो वेट लिफ्टर हैं, उन्होंने गोल्ड मैडल जीता था लेकिन उन्हे वह वापस करना पड़ा क्योंकि उनको डोप टैस्ट में पॉज़िटिव पाया गया। लगभग तीन सप्ताह पहले स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया की तरफ से एक लिस्ट अखबारों में निकली थी जिसमें 250 खिलाड़ी हैं जो डोप टैस्ट में पॉजिटिव पाए गए थे। इसको लेकर खिलाड़ियों के बीच में काफी आक्रोश था। पी.टी.उा ने कहा था कि मैं इसके खिलाफ केस करूंगी। मिल्खा सिंह जी ने कहा था कि ये खिलाड़ी बैन्ड ड्रग्ज़ लेकर प्रदर्शन करते हैं। शायद कोई परिवार ऐसा नहीं होगा जहां बच्चे न हों, और खेल विाय युवाओं से जुड़ा हुआ है और उसको देखते हुए आवश्यक है कि इस पर तुरंत खेल मंत्रालय और सरकार की ओर से कार्वाई होनी चाहिए जिस्से अंतर्राट्रीय स्तर पर जो मैच फिक्सिंग को लेकर समस्याएं हुई थीं, आज वही डोप टैस्टिंग को लेकर हो रही हैं। अर्जुन अवार्ड को लेकर मिल्खा सिंह जी ने अनेक बातें की हैं और ऐफ्रो एशियन गेम्स भी हमारे सिर पर हैं।

MR. DEPUTY-SPEAKER: What the Government of India has to do? You ask this.

SHRI KIRTI JHA AZAD : Yes, I want him to give an answer because it is a very important matter. It is a national matter with international ramifications. Sports persons understand everything.

* Not Recorded

एक तरफ खिलाड़ी कहते हैं कि हम ड्रग्ज़ नहीं लेते हैं और दूसरी तरफ ये सूचियां निकलती हैं और टैस्ट पॉजिटिव होता है। कौन सही है, कौन गलत है, फैडरेशन सही है, मंत्रालय सही है या खिलाड़ी सही हैं यह जानना आवश्यक है। मैं खिलाड़ी हूं इसलिए यह सब अजीब लगता है। एक तरफ खिलाड़ी कहते हैं कि हम ऐसा नहीं करते और दूसरी तरफ फैडरेशन कहता है कि इतने टैस्ट पॉजिटिव है। मैं सरकार से इसका जवाब चाहूँगा। सरकार को इस पर कुछ कहना चाहिए। 40 प्रतिशत लोग हमारे देश में युवा हैं।

MR. DEPUTY-SPEAKER: In 'Zero Hour', you cannot compel the Government to give a reply. I cannot compel them.

श्री कीर्ति झा आज़ाद : आप सरकार को कम से कम निर्देश दीजिए, मंत्री जी इस पर कुछ कहें।

MR. DEPUTY-SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 2.00 p.m.

1334 hours

The Lok Sabha then adjourned till Fourteen of the Clock.

1403 hrs

The Lok Sabha re-assembled at three minutes

past Fourteen of the Clock.

(Shri P.H. Pandiyan *in the Chair*)

MR. CHAIRMAN: The House will now take up matters under rule 377.